Farmers made aware about extensive farming: NEFORD
Jan Sandesh Times & Dainik Jagran & Hindustan, September 15, 2014

जनसंदेश टाइम्स वाराणसी, सोमवार, 15 सितम्बर, 2014

पुरानी तहसील के पास सड़क के किनारे जमा बरसात का पानी

मऊ

प्रशिक्षण में किसानों को दी गयी उन्नत खेती की जानकारी

मऊ। नेफोर्ड कट्स इण्टरनेशनल के तत्वावधान में एक कृषक प्रशिक्षण का आयोजन अमरवाणी विकलांग संस्थान के हाल में रविवार को किया गया। प्रशिक्षण का विषय बदलते परिवेश में कृषि उत्पादन में स्थाई एवं सतत विकास हेतु उन्नत तकनीकों का योगदान था। जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप बढ़ती हुई मौसम की अनिश्चितता से होने वाली क्षति से खेती को बचाना है।

नेफोर्ड के निदेशक डा. राम कठिन सिंह ने बताया कि ऑस्ट्रेलियन सरकार की सहायता से जयपुर स्थित कट्स इण्टरनेशनल संस्थान ने दक्षिण एशिया में सतत् एवं स्थाई विकास के लिए खाद्यान्न, जल एवं ऊर्जा संरक्षण हेतु आपसी सहयोग नामक एक परियोजना प्रारम्भ की है जिसे भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश व पाकिस्तान के कुल आठ गैर-सरकारी संस्थान क्रार्यान्वित करेंगे। जिनमें नेफोर्ड भी एक है। यह प्रशिक्षण उसी परियोजना के तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह सर्वविदित है कि अब दिन-ब-दिन मौसम का मिजाज बदल रहा है। सूखा अथवा बाढ़, तापमान का अचानक बढ़ना या घटना, नये-नये कीट एवं बीमारियों का प्रकोप फसलों को रुग्ण बना रहा है। मौसम की अनिश्चितता के साथ-साथ खेती में बढ़ती लागत भी एक बड़ी चिन्ता का कारण है।

अमरवाणी विकलांग संस्थान में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता

ऐसी परिस्थितियों में कृषि उत्पादन में स्थाई एवं सतत् विकास हेतु परम्परागत खेती से इतर नये तरीकों को अपनाना आवश्यक हो गया है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखकर आयोजित इस कृषक प्रशिक्षण में नरेन्द्र देव कृषि विश्व विद्यालय, बीज निदेशालय, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं नेफोर्ड के वैज्ञानिकों ने किसानों को नई-नई तकनीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षण हेतु चुने गये विषयों में जीरोटील से गेहूँ की बुवाई, इमसीडर से धान की सीधी बुवाई, सण्डा एवं स्त्री-विधि के साथ-साथ कृषि उत्पादन में यंत्रीकरण द्वारा पानी एवं ऊर्जा की दक्षता बढ़ाने, खेती में विविधीकरण तथा बदलते मौसम में पशुपालन की समस्यायें एवं समाधान आदि पर विशेष रूप से चर्चा की गई। उप-जिला कृषि निदेशक डॉ. आशुतोष मिश्र ने जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जाने वाली किसानोपयोगी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए किसानों को उनका लाभ उठाने के लिए आह्वान किया। मऊ जनपद के दूर-दराज गाँवों से आये राम प्रकाश सिंह, जोखू सिंह, अशोक यादव, आगम राम, नगीना यादव, राधिका देवी, कुसुम देवी, पुरूषोत्तम यादव लगभग 100 पुरूष एवं महिला किसानों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया तथा कृषि उत्पादन में स्थाई एवं सतत विकास हेतु उन्नत तकनीकों की जानकारी हासिल की। प्रशिक्षण का आयोजन नेफोर्ड की मऊस्थित शाखा द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के संतोष मिश्र, सचिन्द्र सिंह, बृजेश सिंह, विनीत त्रिपाठी, निखिल सिंह ने सहयोग किया।

मऊ जागरण
दैनिक जागरण वाराणसी, 15 सितंबर 2014

कृषि क्षेत्र में विकास के लिए नए तरीकों को अपनाना आवश्यक

मऊ : नेफोर्ड कट्स इंटरनेशनल के तत्वावधान में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन अमरवाणी विकलांग संस्थान के लेक्चर हाल में किया गया। इसमें बदलते परिवेश में कृषि उत्पादन में स्थाई एवं सतत विकास हेतु उन्नत तकनीक पर विचार किया गया।

निदेशक डा. रामकठिन सिंह ने बताया कि आस्ट्रेलियन सरकार की सहायता से जयपुर स्थित कट्स इंटरनेशनल संस्थान ने दक्षिण एशिया में सतत एवं स्थाई विकास के लिए खाद्यान्न, जल एवं उर्जा संरक्षण हेतु आपसी सहयोग नामक एक परियोजना प्रारंभ की है। इसे भारत, नेपाल, भूटान,

♦ बदलते परिवेश में कृषि पर चर्चा

बंग्लादेश व पाकिस्तान के कुल आठ गैर सरकारी संस्थान कार्यान्वित करेंगे। उन्होंने बताया कि दिन प्रतिदिन मौसम का मिजाज बदल रहा है। सूखा अथवा बाढ़, तापमान का अचानक घटना या बढ़ना, नए-नए कीट एवं बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। मौसम की अनिश्चितता के साथ-साथ खेती में बढ़ती लागत भी एक बड़ी चिंता का कारण है। ऐसी परिस्थितियों में कृषि उत्पादन में स्थाई एवं सतत विकास हेतु परंपरागत खेती से इतर नए तरीकों को अपनाना आवश्यक हो गया है। प्रशिक्षण हेतु चुने गए विषयों में जीरो ट्रिल से गेहूं की बुआई, ड्रम सीडर से धान की सीधी बुआई, संडा एवं श्री विधि के साथ-साथ कृषि उत्पादन में यंत्रीकरण द्वारा पानी एवं उर्जा की क्षमता बढ़ाने, खेती में विविधीकरण तथा बदलते मौसम में पशुपालन की समस्याएं एवं समाधान पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में रामप्रकाश सिंह, जोखू सिंह, अशोक यादव आगम राम, नगीना यादव, राधिका देवी, कुसुम, पुरुषोत्तम यादव किसान के साथ साथ संतोष मिश्र, सविंद्र सिंह, बृजेश सिंह, विनीत त्रिपाठी, निखिल सिंह रहे।

हिन्दुस्तान वाराणसी • सोमवार • 15 सितम्बर 2014 मऊ

किसानों को दी गई नई तकनीक की जानकारी

मऊ | निज संवाददाता

आयोजन

- नेफोर्ड के तत्वावधान में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन
- आस्ट्रेलिया सरकार कर रही है परियोजना में मदद

नेफोर्ड-कट्स इण्टरनेशनल के तत्वावधान में रविवार को कृषक प्रशिक्षण का आयोजन अमरवाणी विकलांग संस्थान में किया गया। प्रशिक्षण का विषय 'बदलते परिवेश में कृषि उत्पादन में स्थाई व सतत विकास के लिए उन्नत तकनीकों का योगदान' था। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप बढ़ती मौसम की अनिश्चितता से होने वाली क्षति से खेती को बचाना है।

नेफोर्ड के निदेशक डॉ. रामकठिन सिंह ने बताया कि आस्ट्रेलिया सरकार की सहायता से जयपुर स्थित कट्स इण्टरनेशनल संस्थान ने 'दक्षिण एशिया में सतत व स्थाई विकास के लिए खाद्यान्न, जल और ऊ र्जा संरक्षण के लिए आपसी सहयोग' नामक एक परियोजना शुरू की है। इसे भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश व पाकिस्तान के कुल आठ गैर-सरकारी संस्थान कार्यान्वित करेंगे। इनमें नेफोर्ड भी एक है। यह प्रशिक्षण उसी परियोजना के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कृषक प्रशिक्षण में नरेन्द्र देव कृषि विश्व विद्यालय, बीज निदेशालय, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र व नेफोर्ड के वैज्ञानिकों ने किसानों को नई-नई तकनीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के लिए चुने गये विषयों में जीरोटील से गेहूं की बुवाई, ड्रमसीडर से धान की सीधी बुवाई, सण्डा व स्त्री-विधि के साथ-साथ कृषि उत्पादन में यंत्रीकरण से पानी व उ र्जा की दक्षता बढ़ाने, खेती में विविधीकरण और बदलते मौसम में पशुपालन की समस्यायें व समाधान आदि पर चर्चा की गई।

उप जिला कृषि निदेशक डॉ. आशुतोष मिश्र ने जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार की किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को उनका लाभ लेने की अपील की। जनपद के दूर-दराज गांवों से आये राम प्रकाश सिंह, जोखू सिंह, अशोक यादव, आगम राम, नगीना यादव, राधिका देवी, कुसुम देवी, पुरूषोत्तम यादव लगभग 100 किसानों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रशिक्षण का आयोजन नेफोर्ड की मऊ स्थित शाखा ने किया। इस दौरान संस्था के संतोष मिश्र, सचिन्द्र सिंह, बृजेश सिंह, विनीत त्रिपाठी, निखिल सिंह मौजूद थे।